

पक्षा २१७ २

६४२)

आज पत्रजाली द्वारा के राज्य पत्रादि  
 वकील सामंजस ने आपका देना विद्वाकर  
 खारिज कर लिया है। इसलिए इस प्रकार  
 पत्र को मूलान का कोई आनिद नहीं है।  
 अतः पुनः के जारी नग खारिज की जाय  
 पत्रजाली केवल शुभा है।

के

अपना अधिकारी  
 नहीं (धरपुत्र क)

